# राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

## प्राध्यापक–राजनीति विज्ञान (विद्यालय शिक्षा)
## माध्यमिक शिक्षा विभाग के पदों की संवीक्षा परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

**राजनीति शास्त्र–** प्रकृति, क्षेत्र, परम्परागत तथा आधुनिक परिप्रेक्ष्य

**अध्ययन पद्धतियॉ–** दार्शनिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक, पद्धति, तुलनात्मक पद्धति

**सम्प्रभुता–** एकत्ववादी तथा बहुलवादी सिद्धान्त व्यवहारवाद, उत्तरव्यवहारवाद, अन्तः शास्त्रीय दृष्टिकोण, व्यवस्था विश्लेषण, संरचनात्मक प्रकायत्मिक विश्लेषण, राजनीतिक विकास, विनिश्चिय सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त, राजनीतिक आधुनिकीकरण, राजनीतिक संस्कृति, अभिजन सिद्धान्त, नौकरशाही।

**सरकारों के वर्गीकरण की आधुनिक योजना–** आमण्ड एवं पावेल, संविधान तथा संविधानवाद तथा चुनौतियॉ।

**शासन व्यवस्था–** लोकतंत्र के प्रकार, विकासशील देशों में लोकतंत्र को चुनौतियॉ, अधिनायकवादी व्यवस्था, सर्वहारा का अधिनायकवाद, दोनों में तुलना।

संसदीय तथा अध्यक्षात्मक संधात्मक तथा एकात्मक शासन व्यवस्था।

**सरकार के अंग–**शक्ति पृथक्करण सिद्धान्त, नियंत्रण एवं संतुलन, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका तथा न्यायपालिकाः पारस्परिक संबंधों की अभिनव प्रवृतियॉ।

**निर्वाचन प्रणालियॉ–** साधारण बहुमत प्रणाली, द्वितीयमतदान प्रणाली, संचितमतदान प्रणाली, आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली, राजनीतिक दल, दलीयवस्था, दबाव समूह।

**विचारक**

(क) भारतीय–कौटिल्य, राजा राममोहनराय, दयानंद सरस्वती, दादाभाई नौरोजी, गोखले, तिलक, गांधी, अम्बेडकर।

(ख) पाश्चात्य– प्लेटो, अरस्तु, मेकियावली, हाब्स, लॉक, रूसो, बेंथम, मिल, ग्रीन, मार्क्स।

अन्तराष्ट्रीय राजनीति–यर्थाथवादी सिद्धान्त, शक्ति सन्तुलन, सामूहिक सुरक्षा, राष्ट्रीय शक्ति के तत्वः शीलयुद्ध, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन।

संयुक्तराष्ट्र–अंग, विशेषतः सुरक्षा परिषद् साधारण सभा

द्विध्रुवीयता एवं एक–ध्रुवीयता, संयुक्त राज्य अमेरिका, जनवादी चीन, रूस की विदेशनीति की विशेषताऍ, भारत की विदेशनीति, अमेरिका, रूस, चीन तथा सार्क देशों में संबंध।

क्षेत्रीय संगठन– नाटो, आसियॉन्, सार्क, यूरोपीय संघ

भारतीय राजनीतिक संगठन– संविधान निर्माणी सभाः उत्पत्ति, संगठन, दृष्टिकोण एवं कार्य प्रणाली, प्रस्तावना, संघीय व्यवस्था, संसदीय व्यवस्था, संघीय कार्यपालिका, (संसद), उच्चतम न्यायालय, राज्यपाल राजनीतिक दल तथा दलीय व्यवस्था, दबाव समूह, निर्वाचन तथा चुनाव सुधार के प्रयास।

भारतीय राजनीति निर्धारक तत्त्व– जाति, भाषा क्षेत्रवाद, धर्म राष्ट्रीय एकीकरण तथा राष्ट्र निर्माण को चुनौतियॉ।

लोकप्रशासन–नेतृत्व, समन्वय, विकेन्द्रीकरण, भारत में सार्वजनिक उपक्रम, स्वतंत्र नियामकीय आयोग, प्रशासन पर विधायी, न्यायिक तथा लोकप्रिय नियंत्रण नौकरशाही तथा लोकसेवा, भर्ती, पदोन्नति, बजट।

नोट– प्रश्न पत्र की योजना–

प्रश्न–पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार (Objective Type) का होगा।

प्रश्न–पत्र 100 अंकों का होगा।

प्रश्नों की संख्या–100 होगी।

प्रश्न–पत्र की अवधि दो घंटे की होगी।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे।

प्रश्न–पत्र ऋणात्मक अंकन (Negative Marking) का होगा।